प्रार्थना जो आप आप स्वीकार करें

हे शक्ति सेना के कोहिनूर, विधाता की अनमोल कृति, भारत व भगवान के हृदय सम्राट, अन्तर्मुखता व रूहानियत के शहंशाह, चैतन्य शिवालय, दिव्यता व सरलता की अनुपम जरदार,गॉड के लैण्ड लार्ड, इंसान व भगवान के मध्य सेतु, श्रीमत की तस्वीर, हर चलन से ताबीर बदलने वाली, लखनऊ के रहवर, हर हृदय को मोहने वाली, हर गुल व गुलशन को सौम्यता से गुलजार करने वाली आदणीय गुलजार दादी जी–

आधाकल्प से माया की आंधी के थपेड़े खाते –2, नवाबों व यवनों का ताप सहते–2, अंग्रेजों की गुलामी के ओलों का कहर झेलते–2, ये बरबादे चमन लखनऊ का अपनी हर श्वांस में भगवान से उसकी शफकत की आरजू कर रहा था। ठीक आज के पचपन वर्ष पहले भगवान का करम व आपकी इनायत ने उस अविकसित झुलसते गुलशन में शीतल ज्ञान वर्षा कर प्राणों का पुनः संचार कर दिया। वह अध्यात्म का बीज आज विशाल वट वृक्ष बन गया है, दादी जी इस फुलवारी की हरियाली व बहार देखने के लिए आपको लखनऊ आना ही होगा।

दादी जी माना कि बड़े वृक्ष को रोज पानी देने की आवश्यकता नहीं पड़ती, पर बरसात के पानी का हर वृक्ष को इन्तजार सारे वर्ष रहता है व पानी जरूरत भी होती है, दादी जी 1/2 सदी से भी अधिक समय हुआ यह लखनऊ का गुलशन आपके प्यार की बरसात से वंचित है, अब इसे अपने पवित्रतम वात्सल्य से मरहूम न रखें, और दादी जी हम कोमल कोपलों के लिए आपकी करूणा की बूदों की आवश्यकता तो जीवन पर्यन्त रहेगी।

दादी जी लखनऊ एवं समस्त उत्तर प्रदेश का एक ही सपना है कि इस तहजीब की नगरी को सम्पूर्ण देवत्व आपके सानिध्य से मुकम्मल हो सकता है। हम सबका यही मकसूद है कि आप अपने अनमोल समय से कुछ वाजिब पल लखनऊ को भी प्रदान करें, हम सबकी इस छोटी सी इबादत को स्वीकार करें।

साथ ही साथ उत्तर प्रदेश की सेनानायक, लखनऊ की सिरमौर,शान–ए–अवध आदरणीय मोहनी दीदी जी का भी हम सभी बड़ी श्रद्धा व दिल के प्यार व अधिकार से आहवान करते हैं कि यह तो आपका घर है, आपको तो माकूल समय देना ही होगा। आपकी अनुकम्पा का अधिकार तो हमें विरासत में मिला है, यह हम सभी की प्रार्थना है जो आप स्वीकार करेंगे ही, यह हम सभी उत्तर प्रदेश वालों को पूर्ण विश्वास है। समस्त उत्तर प्रदेश आपकी प्रतीक्षा में,

ओम शान्ति 07/07/09